

राजकीय महाविद्यालय शिवनगर

संस्कृत विभाग
विषय- संस्कृत छन्द

राजकीय महाविद्यालय शिवनगर के संस्कृत विभाग द्वारा दिनांक 30/09/2025 एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसका विषय था "संस्कृत छन्द"। इस व्याख्यान में छात्रों को संस्कृत छन्द के विभिन्न पहलुओं से परिचित कराया गया।

व्याख्यान का विवरण

वक्ता: व्याख्यान का आयोजन प्रो विवेकानंद शर्मा द्वारा किया गया था, जिन्होंने संस्कृत छन्द के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। व्याख्यान का विषय संस्कृत छन्द था, जिसमें वक्ता ने विभिन्न छन्दों के प्रकार, उनकी विशेषताएं और उपयोग के बारे में चर्चा की। व्याख्यान में संस्कृत विभाग के छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और वक्ता के विचारों को ध्यान से सुना।

व्याख्यान की विशेषताएं

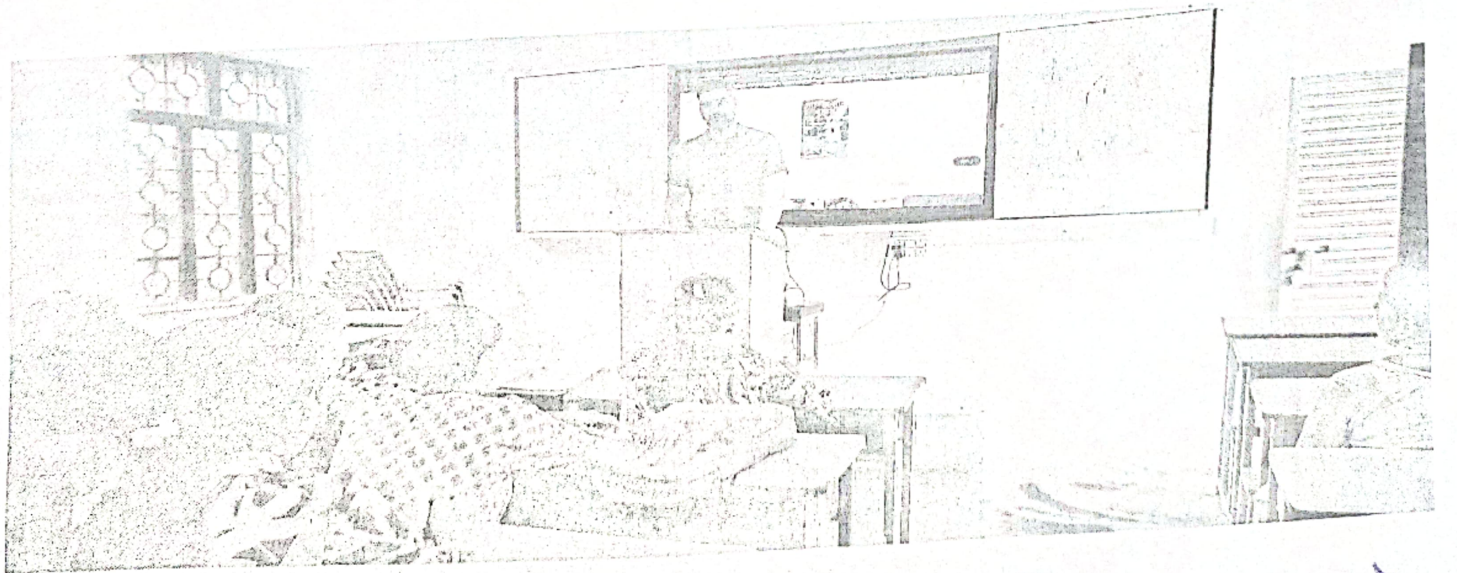
छन्दों के प्रकार: वक्ता ने विभिन्न छन्दों के प्रकारों पर चर्चा की, जैसे कि अनुष्टुप, वसंततिलका, शिखरिणी आदि।

छन्दों की विशेषताएं: वक्ता ने छन्दों की विशेषताओं पर चर्चा की, जैसे कि उनकी लय, गति और अर्थ।

उदाहरण और प्रमाण: वक्ता ने अपने विचारों को समर्थन देने के लिए विभिन्न उदाहरणों और प्रमाणों का उपयोग किया, जिससे छात्रों को विषय की गहराई को समझने में मदद मिली।

व्याख्यान के अंत में, छात्रों ने वक्ता से प्रश्न पूछे और अपने संदेहों का समाधान किया। इस व्याख्यान ने छात्रों को संस्कृत छन्द के

विभिन्न पहलुओं से परिचित कराया और उन्हें इस विषय में गहराई से जानने के लिए प्रेरित किया। इस प्रकार के आयोजनों से छात्रों को अपनी संस्कृति और विरासत के बारे में जानने का अवसर मिलता है और उन्हें अपने ज्ञान को बढ़ाने में मदद मिलती है।



Principal
Govt. College, Shivnagar
Distt. Kangra प्राचार्य
राजकीय महाविद्यालय शिवनगर

राजकीय महाविद्यालय शिवनगर

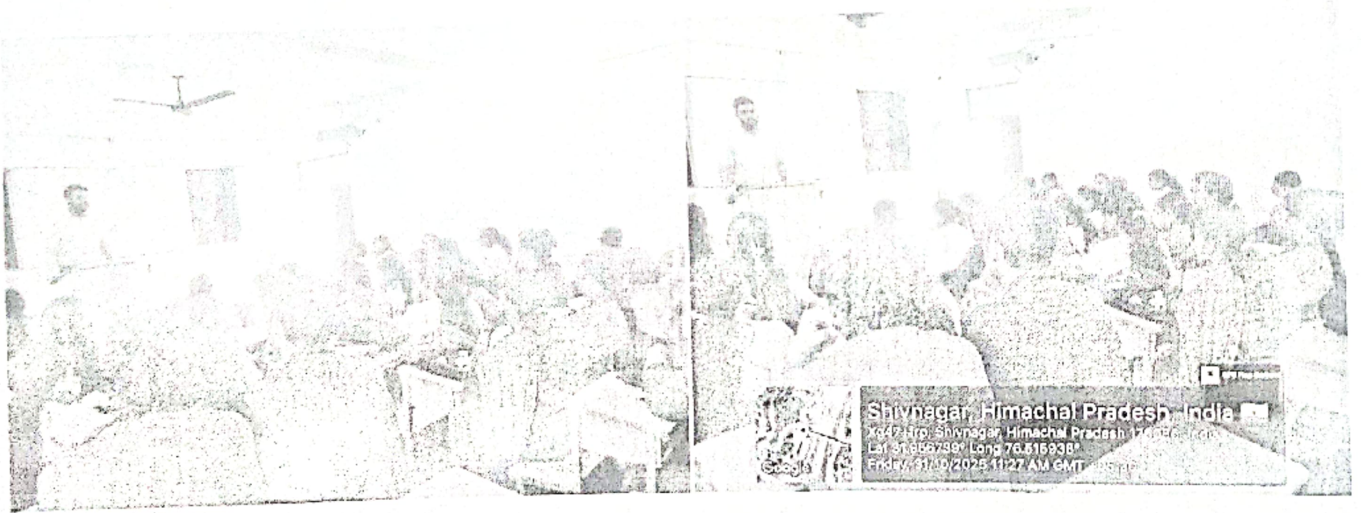
संस्कृत विभाग

राजकीय महाविद्यालय शिवनगर में संस्कृत विभाग द्वारा 31 अक्टूबर, 2025 को एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसका विषय उपनिषदों में वर्णित नैतिक मूल्य था। इस अवसर पर विशेषज्ञ प्रोफेसर विवेकानन्द शर्मा ने अपने विचार साझा किए।

उपनिषदों में नैतिक मूल्यों की चर्चा करते हुए, प्रोफेसर शर्मा ने बताया कि उपनिषदों में सत्य, अहिंसा, दान, तप, और शांति जैसे नैतिक मूल्यों पर विशेष बल दिया गया है। उन्होंने बताया कि उपनिषदों के अनुसार, मनुष्य को अपने जीवन में इन मूल्यों को अपनाकर जीवन को सार्थक और सुखमय बनाने की ओर बल दिया।

उपनिषदों के प्रमुख नैतिक मूल्यः

- *सत्य* : उपनिषदों में सत्य को परम धर्म माना गया है।
- *अहिंसा* : उपनिषदों में अहिंसा को सर्वश्रेष्ठ धर्म माना गया है।
- *दान* : उपनिषदों में दान को एक महत्वपूर्ण नैतिक मूल्य माना गया है।
- *तप* : उपनिषदों में तप को आत्म-साक्षात्कार का एक महत्वपूर्ण साधन माना गया है।
- *शांति* : उपनिषदों में शांति को मनुष्य के जीवन का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य माना गया है।



Whome

[Signature]
Principal
Govt. College Shivnagar
Distt. Kangra (H.P.)
DDO Code 230